कार्तिकेय जी की आरती
Kartikeya Ji Ki Aarti

कार्तिकेय जी, जिन्हें दक्षिण भारत में मुरुगन, स्कंद और सुब्रमण्य के नाम से भी जाना जाता है, भगवान शिव और माता पार्वती के पुत्र हैं। वे युद्ध और साहस के देवता हैं और देवताओं की सेना के सेनापति माने जाते हैं। उनका वाहन मोर है, जो बुद्धिमत्ता और शक्ति का प्रतीक है। उनके छह मुख (षण्मुख) सर्वज्ञता और हर दिशा में चौकस रहने का प्रतीक हैं। कार्तिकेय जी की पूजा विशेष रूप से दक्षिण भारत में होती है, जहाँ तमिलनाडु के पलानी में उनका प्रमुख मंदिर है।

कार्तिकेय जी की आरती

जय जय आरती वेणु गोपाला
वेणु गोपाला वेणु लोला
पाप विदुरा नवनीत चोरा

जय जय आरती वेंकटरमणा
वेंकटरमणा संकटहरणा
सीता राम राधे श्याम

जय जय आरती गौरी मनोहर
गौरी मनोहर भवानी शंकर
सदाशिव उमा महेश्वर

जय जय आरती राज राजेश्वरि
राज राजेश्वरि त्रिपुरसुन्दरि

महा सरस्वती महा लक्ष्मी
महा काली महा लक्ष्मी

जय जय आरती आन्जनेय
आन्जनेय हनुमन्ता

जय जय आरति दत्तात्रेय
दत्तात्रेय त्रिमुर्ति अवतार

जय जय आरती सिद्धि विनायक
सिद्धि विनायक श्री गणेश

जय जय आरती सुब्रह्मण्य
सुब्रह्मण्य कार्तिकेय ||

भगवान कार्तिकेय जी की आरती Online Post यहाँ पढ़ें